# सामाजिक विज्ञान

## (अर्थशास्त्र)

## अध्याय-4: वैश्वीकरण और भारतीय अर्थव्यवस्था

SHIVOM CLASSES 8696608541

## वैश्वीकरण:-

विभिन्न देशों के बीच परस्पर संबंध और तीव्र एकीकरण की प्रक्रिया को ही वैश्वीकरण के नाम से जाना जाता है।

वैश्वीकरण का शाब्दिक अर्थ स्थानीय या क्षेत्रीय वस्तुओं या घटनाओं के विश्व स्तर पर रूपांतरण की प्रक्रिया है। इसे एक ऐसी प्रक्रिया का वर्णन करने के लिए भी प्रयुक्त किया जा सकता है जिसके द्वारा पूरे विश्व के लोग मिलकर एक समाज बनाते हैं तथा एक साथ कार्य करते हैं। यह प्रक्रिया आर्थिक, तकनीकी, सामाजिक और राजनीतिक ताकतों का एक संयोजन है।वैश्वीकरण का उपयोग अक्सर आर्थिक वैश्वीकरण के सन्दर्भ में किया जाता है, अर्थात व्यापार, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, पूँजी प्रवाह, प्रवास और प्रौद्योगिकी के प्रसार के माध्यम से राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था का अन्तरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं में एकीकरण।

पुक्सी (Puxi) शंघाई के बगल में, चीन।

टॉम जी काटो संस्थान (Cato Institute) के पामर (Tom G. Palmer) "वैश्वीकरण" को निम्न रूप में परिभाषित करते हैं" सीमाओं के पार विनिमय पर राज्य प्रतिबन्धों का ह्रास या विलोपन और इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न हुआ उत्पादन और विनिमय का तीव्र एकीकृत और जटिल विश्व स्तरीय तन्त्र।"यह अर्थशास्त्रियों के द्वारा दी गई सामान्य परिभाषा है, अक्सर श्रम विभाजन (division of labor) के विश्व स्तरीय विस्तार के रूप में अधिक साधारण रूप से परिभाषित की जाती है।



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आर्थिक वैश्वीकरण ने दुनिया भर की विभिन्न संस्कृतियों के एकीकरण पर प्रभाव डाला है। यहाँ यूनाइटेड किंगडममें एक इस्पात संयन्त्र दिखाया गया है जिसकी मालिक भारतकी एक कम्पनी टाटा समूहहै।

थामस एल फ्राइडमैन (Thomas L. Friedman) "दुनिया के 'सपाट' होने के प्रभाव की जांच करता है" और तर्क देता है कि वैश्वीकृत व्यापार (globalized trade), आउटसोर्सिंग (outsourcing), आपूर्ति के श्रृंखलन (supply-chaining) और राजनीतिक बलों ने दुनिया को, बेहतर और बदतर, दोनों रूपों में स्थायी रूप से बदल दिया है। वे यह तर्क भी देते हैं कि वैश्वीकरण की गति बढ़ रही है और व्यापार संगठन तथा कार्यप्रणाली पर इसका प्रभाव बढ़ता ही जाएगा।

नोअम चोमस्की का तर्क है कि सैद्वांतिक रूप में वैश्वीकरण शब्द का उपयोग, आर्थिक वैश्वीकरण (economic globalization) के नव उदार रूप का वर्णन करने में किया जाता है।

हर्मन ई. डेली (Herman E. Daly) का तर्क है कि कभी कभी अंतर्राष्ट्रीयकरण और वैश्वीकरण शब्दों का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है लेकिन औपचारिक रूप से इनमें मामूली अंतर है। शब्द "अन्तरराष्ट्रीयकरण" शब्द का उपयोग अन्तरराष्ट्रीय व्यापार, सम्बन्ध और सन्धियों आदि के महत्व को प्रदर्शित करने के लिए किया जाता है। अन्तरराष्ट्रीय का अर्थ है राष्ट्रों के बीच।

"वैश्वीकरण" का अर्थ है आर्थिक प्रयोजनों के लिए राष्ट्रीय सीमाओं का विलोपन, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार तुलनात्मक लाभ (comparative advantage) द्वारा शासित), अन्तर क्षेत्रीय व्यापार पूर्ण लाभ (absolute advantage) द्वारा शासित) बन जाता है।



SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

## उदारीकरण:-

सरकार द्वारा अवरोधों और प्रतिबंधो को हटाने की प्रक्रिया को उदारीकरण कहा जाता है।

उदारीकरण का अर्थ ऐसे नियंत्रण में ढील देना या उन्हें हटा लेना है, जिससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिले। उदारीकरण में वे सारी क्रियाएँ सम्मिलित हैं, जिसके द्वारा किसी देश के आर्थिक विकास में बाधा पहुँचाने वाली आर्थिक नीतियों, नियमों, प्रशासनिक नियंत्रणों, प्रक्रियाओं आदि को समाप्त किया जाता है या उनमे शिथिलता दी जाती है।

इस प्रक्रिया में विश्व के साथ व्यापार की शर्तो को उदार बनाया जाता है जिससे ना केवल अर्थव्यवस्था का विकास सुनिश्चित होता है बल्कि देश का व्यापक विकास तथा बहुमुखी उन्नति होती है।

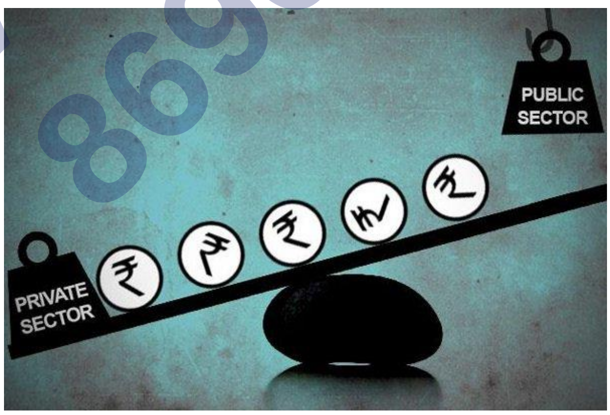


## निजीकरण:-

सार्वजनिक क्षेत्रों की कंपनियों को चरणाबद्ध तरीके से निजी क्षेत्र में बेचना निजीकरण कहलाता है।



SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

निजीकरण व्यवसाय, उद्यम, एजेंसी या सार्वजनिक सेवा के स्वामित्व के सार्वजनिक क्षेत्र (राज्य या सरकार) से निजी क्षेत्र (निजी लाभ के लिए संचालित व्यवसाय) या निजी गैर-लाभ संगठनों के पास स्थानांतरित होने की घटना या प्रक्रिया है। एक व्यापक अर्थ में, निजीकरण राजस्व संग्रहण तथा कानून प्रवर्तन जैसे सरकारी प्रकार्यों सहित, सरकारी प्रकार्यों के निजी क्षेत्र में स्थानांतरण को संदर्भित करता है।

शब्द "निजीकरण" का दो असंबंधित लेनदेनों के वर्णन के लिए भी उपयोग किया गया है। पहला खरीद है, जैसे किसी सार्वजनिक निगम या स्वामित्व वाली कंपनी के स्टॉक के सभी शेयर बहुमत वाली कंपनी द्वारा खरीदा जाना, सार्वजनिक रूप से कारोबार वाले स्टॉक का निजीकरण है, जिसे प्रायः निजी इक्विटी भी कहते हैं। दूसरा है एक पारस्परिक संगठन या सहकारी संघ का पारस्परिक समझौता रद्द कर के एक संयुक्त स्टॉक कंपनी बनाना.

## बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ:-

बहुराष्ट्रीय कंपनी एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण व स्वामित्व रखती है।

## बहुराष्ट्रीय कंपनियों से लाभ:-

1. विभिन्न देशों में उत्पादन का विस्तार होने से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को सस्ती कीमतों पर सर्वोत्तम गुणवत्ता वाले संसाधन प्राप्त होते हैं, जिससे उनका लाभ अत्यधिक बढ़ जाता है।
2. उत्पादन के विस्तार से बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अविकसित देशों में रोजगार के अवसर उत्पन्न करती हैं।



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

## विदेशी व्यापार:-

विदेशी व्यापार एक माध्यम है, जो अपने देश के बाजारों से बाहर के बाजारों में पहुँचने के लिए उत्पादकों को एक अवसर प्रदान करता है।

## निवेश:-

परिसंपत्तियों जैसे- भूमि, भवन, मशीन और अन्य उपकरणों की खरीद में व्यय की गई मुद्रा को निवेश कहते है।

## विदेशी निवेश:-

बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किए गए निवेश को विदेशी निवेश कहते है।

## विदेशी व्यापार और विदेशी निवेश में अंतर:-

1. **विदेशी व्यापार:-**
   - विदेशों से वस्तुओं को खरीदने और बेचने को विदेशी व्यापार कहते हैं।
   - इसके अन्तर्गत आयात और निर्यात की दोनों प्रक्रियाएँ शामिल होती हैं।
   - यह उत्पादन के लिये अवसर प्रदान करता है।
2. **विदेशी निवेश:-**
   - अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से जब बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ मेजबान देश में धन से उत्पादन इकाई की स्थापना करती है, उसे विदेशी निवेश कहते हैं।
   - विदेशी निवेश में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा किया गया पूँजी निवेश आता है।
   - यह पूँजी की कमी को दूर करता है।

## बहुराष्ट्रीय कंपनियो का उत्पादन पर नियंत्रण करने की विधियाँ:-

- संयुक्त उपक्रम विधि।
- स्थानीय कम्पनियों को खरीदना।
- छोटे उत्पादकों से माल खरीदना।



SHIVOM CLASSES 8696608541

- अपने ब्रांड का इस्तेमाल करके।

## विदेश व्यापार कैसे बाजारों का एकीकरण करता है ?

- विदेश व्यापार उत्पादकों को अपने देश के बाजार से बाहर के बाजारों में पहुँचने का अवसर प्रदान करता है।
- देशों के मध्य माल और सेवाओं के आवागमन की सुविधा।
- घरेलू बाजारों अर्थात् अपने देश के बाजारों से बाहर के बाजारों में पहुँचने के लिए उत्पादकों को एक अवसर प्रदान करना।
- बाजार में ग्राहकों के लिए वस्तुओं के विकल्प बढ़ जाते हैं।
- बाजार में नई प्रौद्योगिकी और विचारों को बढ़ावा मिलता है।
- उत्पादकों में बढ़ती हुई प्रतिस्पर्द्धा से ग्राहकों को वस्तुओं और सेवाओं की बेहतर गुणवत्ता प्राप्त होती है।

## वैश्वीकरण को संभव बनाने वाले कारक:-

- प्रौद्योगिकी का विकास
- परिवहन में सुधार
- सूचना प्रौधोगिकी
- दूरसंचार एवं संचार उपग्रह
- सरकार द्वारा अवरोधों की समाप्ति
- इंटरनेट

## व्यापार अवरोधक:-

1. सरकार द्वारा माल या सेवाओं के अंतर्राष्ट्रीय आदान – प्रदान पर प्रतिबंध लगाना व्यापार अवरोधक कहलाता है। आयात पर कर ( आयात शुल्क ) व्यापार अवरोधक का एक उदाहरण है।

SHIVOM CLASSES 8696608541



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. इसे अवरोधक इसलिए कहा गया है, क्योंकि यह कुछ प्रतिबंध लगाता है। सरकार व्यापार अवरोधक का प्रयोग विदेशी व्यापार में नियमन हेतु करती है।

## स्वतंत्रता के पश्चात भारत सरकार द्वारा विदेश व्यापार और विदेशी विनिमय पर अवरोधक लगाने के के कारण:-

- विदेशी प्रतिस्पर्धा से देश के उत्पादकों की रक्षा करना।
- स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजो ने भारतीय उद्योग धन्धों को चौपट कर दिया था। स्वतंत्रता के बाद यहाँ भारतीय उद्योग स्थापित किए गए। उद्योगों के विकास के लिए विदेशी व्यापार पर रोक आवश्यक थी।
- स्वतंत्रता के बाद भारत 562 टुकड़ों में बंटा हुआ था। यहाँ परिवहन तथा संचार के साधन अस्त व्यस्त थे।
- स्वतंत्रता के शुरूआती वर्षों में भारत के वैदेशिक संबंध इतने सुदृढ़ नहीं बन पाए थे कि विश्व के अन्य देशों के साथ व्यापार विकसित हो सके।

## मुक्त व्यापार:-

जब दो देशों के बीच व्यापार बिना किसी प्रतिबंध के होता है तो उसे मुक्त व्यापार कहते हैं।

## विदेशी व्यापार तथा विदेशी निवेश का उदारीकरण:-

- 1991 के शुरूआत से विदेशी व्यापार तथा विदेशी विनेश पर से अवरोधों को काफी हद तक हटा दिया गया।
- वस्तुओं का आयात निर्यात सुगमता से किया जा सकता था।
- विदेशी कंपनियाँ आसानी से यहाँ अपने कार्यलय और कारखाने स्थापित कर सकती थी।

## विश्व व्यापार संगठन:-

1. विश्व व्यापार संगठन ( डब्लू . टी . ओ . ) एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार को उदार बनाना और मुक्त व्यापार की सुविधा देना है।



SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

**कार्य:-** इसका मुख्य कार्य यह सुनिश्चित करना है कि व्यापार आसानी से, अनुमानित रूप से और जितना संभव हो उतना स्वतंत्र रूप से हो।

2. विश्व के लगभग 160 देश विश्व व्यापार संगठन के सदस्य हैं।
3. इसने भारत के विदेशी व्यापार और निवेश के उदारीकरण का समर्थन किया है।

## विश्व व्यापार संगठन का मुख्य उद्धेश्य:-

- विदेशी व्यापार को उदार बनाना।
- विकसित देशों की पहल पर शुरू किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित नियमों को निर्धारित करता है।
- विकासशील देशों को व्यापार अवरोधक हटाने के लिए विवश करता है।
- विकसित देशों ने अनुचित ढंग से व्यापार अवरोधकों को बरकरार रखा है।

## किन कारणों से भारत में आर्थिक सुधार की आवश्यकता पड़ी:-

- राजकोषीय घाटे में वृद्धि।
- प्रतिकूल भुगतान संतुलन में वृद्धि।
- विदेशी मुद्रा भंडार में कमी।
- कीमतों में वृद्धि।
- भारतीय कंपनियों को तैयार करना।

## वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव:-

1. वैश्वीकरण के परिणामस्वरूप उत्पादकों ( स्थानीय और विदेशी दोनों ) के बीच अधिक प्रतिस्पर्द्धा से उपभोक्ताओं, विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में समृद्ध वर्ग को लाभ पहुँचता है। यह बेहतर गुणवत्ता वाले उत्पादों और कम कीमतों के साथ बेहतर विकल्प देता है।
2. बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने भारत में अपने निवेश में वृद्धि की है ; जैसे:- सेल फोन, मोटरगाड़ियाँ, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, ठंडे पेय पदार्थ, जंक खाद्य पदार्थों एवं बैंकिंग जैसी सेवाओं में निवेश इत्यादि।



SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

3. उद्योगों और सेवाओं में नए रोजगार उत्पन्न हुए हैं, साथ ही इन उद्योगों को कच्चे माल इत्यादि की आपूर्ति करने वाली स्थानीय कंपनियाँ समृद्ध हुईं।
4. वैश्वीकरण नई और उन्नत तकनीक को लाता है, जिसके द्वारा स्थानीय कंपनियों को भी लाभ मिलता है।

## वैश्वीकरण का लोगों के जीवन पर पड़े प्रभाव:-

- उपभोक्ताओं के सामने पहले से अधिक विकल्प हैं।
- उपभोक्तओं को कम कीमत पर अधिक गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध हो रहे हैं।
- लोग पहले की तुलना में आज उच्चतर जीवन स्तर का मजा ले रहे हैं।
- उद्योगों और सेवाओं में नये रोज़गार उत्पन्न हुए हैं।
- उद्योगों को कच्चे माल इत्यादि की आपूर्ति करने वाली स्थानीय कंपनियाँ समृद्ध हुई हैं।

## विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए उठाए गए कदम:-

- विशेष आर्थिक क्षेत्र की स्थापना की जा रही है।
- विशेष आर्थिक क्षेत्रों में विश्व स्तरीय सुविधाएँ, बिजली, पानी, सड़क, परिवहन, भण्डारण, मनोरंजन और शैक्षिक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।
- विशेष आर्थिक क्षेत्र में उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने वाली कंपनियों को आरंभिक पाँच वर्षों तक कोई कर नहीं देना पड़ता है।
- विदेशी निवेश आकर्षित करने हेतु सरकार ने श्रम कानूनों में लचीलापन लाने की अनुमति दे दी है।
- नियमित आधार पर श्रमिकों को रोजगार देने के बजाय, जब काम का दवाब अधिक हो, छोटी अवधि के लिए श्रमिकों को रखने की छूट।
- आर्थिक नीतियों को उदार बनाया जा रहा है।

## सेज ( SEZ ):-



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

किसी विशेष क्षेत्र में अतिरिक्त सुविधाएँ प्रदान कर विदेशी कंपनियों को निवेश के लिए आकर्षित करता।

## वैश्वीकरण की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने में प्रौद्योगिकी की भूमिका:-

- परिवहन तकनीक में कई सुधारों ने दूर – दूर के स्थानों पर कम लागत पर वस्तुओं को भेजना संभव बनाया है।
- सूचना प्रोद्यौगिकी में सुधार से विभिन्न देश आपस में जुड़कर तुरंत सूचना प्राप्त कर लेते हैं।
- इंटरनेट टैक्नालॉजी से व्यापार में गति आई है।

## वैश्वीकरण के कारण प्रतिस्पर्धा के कुप्रभाव:-

- प्रतिस्पर्धा के कारण छोटे उद्योगों जैसे बैटरी, प्लास्टिक, खिलौने, टायरों आदि के उत्पादकों पर बुरा प्रभाव पड़ा।
- फलस्वरूप काफी इकाइयाँ बंद हो गईं।
- श्रमिकों की बेरोज़गारी में वृद्धि।
- श्रमिकों को अस्थाई आधार पर नियुक्त किया गया।
- श्रमिकों को संरक्षण और लाभ नहीं मिल रहा।
- श्रमिकों का अधिक घंटों तक काम करना आम बात हो गई।

## उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप भारत में आए मुख्य परिवर्तन:-



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- उदारीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति अपनाने के फलस्वरूप निजी निवेश बढ़ने का अधिक अवसर मिला।
- विदेशी विनिमय कोष ( भंडार ) बढ़ गया।
- आई टी उद्योग का विस्तार हुआ।
- सरकारी राजस्व में वृद्धि।

## न्याय संगत वैश्वीकरण के लिए प्रयास:-

- न्याय संगत वैश्वीकरण सभी के लिए अवसर प्रदान करेगा।
- सरकार की नीतियाँ सबको सरंक्षण प्रदान करने वाली होनी चाहिए।
- सरकार सुनिश्चित कर सकती है कि श्रमिक कानूनों का उचित कार्यान्वयन हो और श्रमिकों को उनके अधिकार मिलें।
- सरकार न्यायसंगत नियमों के लिए विश्व व्यापार संगठन से समझौते कर सकती है।
- समान हित वाले विकासशील देशों से गठबंधन कर सकती है।

## वैश्वीकरण को न्यायसंगत बनाने के लिए सरकार की भूमिका:-

- वैश्वीकरण की नई नीति के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था को विश्व अर्थव्यवस्था से जोड़ने का प्रयत्न किया गया ताकि पूँजी, तकनीकी ज्ञान और अनुभव का विश्व के विभिन्न देशों से आदान – प्रदान हो सके।
- सरकार ने माल के आयात पर से अनेक प्रतिबन्ध हटा दिए।
- आयातित माल पर कर, कम कर दिए।
- विदेशी निवेशकों को भारत में निवेश के लिए प्रोत्साहन दिया गया।
- तकनीकी क्षेत्र को हर ढंग से उन्नत करने का प्रयत्न किया गया।

SHIVOM CLASSES 8696608541



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

## NCERT SOLUTIONS

## प्रश्न (पृष्ठ संख्या 72)

प्रश्न 1 वैश्वीकरण से आप क्या समझते हैं? अपने शब्दों से स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – वैश्वीकरण का अर्थ एक ऐसी व्यवस्था से है जिसमें किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को विश्व की अन्य अर्थव्यवस्थाओं से विदेशी व्यापार एवं विदेशी निवेश द्वारा जोड़ा जाता है। वैश्वीकरण के कारण आज विश्व में विभिन्न देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं, तकनीकी तथा श्रम का आदान-प्रदान हो रहा है। इस कार्य में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं जब वे अपनी इकाइयाँ संसार के विभिन्न देशों में स्थापित करती हैं।

प्रश्न 2 भारत सरकार द्वारा विदेश व्यापार एवं विदेशी निवेश पर अवरोधक लगाने के क्या कारण थे? इन अवरोधकों को सरकार क्यों हटाना चाहती थी?

उत्तर – जब भारत आजाद हुआ था तब यह एक गरीब देश था और यहाँ पर निजी पूँजी न के बराबर थी। उस समय स्थानीय उद्योग को संरक्षण की जरूरत थी ताकि वह पनप सके। इसलिए भारत में विदेश व्यापार एवं विदेशी निवेश पर अवरोधक लगाये गये थे। जब स्थितियों में सुधार हुआ और भारत एक अच्छे बाजार में बदल गया तब सरकार ने अवरोधकों को हटाने का निर्णय लिया।

प्रश्न 3 श्रम कानूनों में लचीलापन कंपनियों को कैसे मदद करेगा?

उत्तर – श्रम कानूनों में लचीलापन होने से कंपनियों को आर्थिक क्षेत्र में उत्पादन इकाइयां स्थापित करने में आसानी होगी तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उन्हें भी लाभ होगा। कंपनी अधिक लाभ अर्जित करने के लिए सबसे सस्ती वस्तुओं की मांग करती है। इसके लिए वह अपनी लागत को कम करने की कोशिश करती है। कच्चे माल की लागत में कटौती करना संभव है। इसलिए कंपनियां श्रम की लागत में कटौती करती है। इसलिए कंपनियां श्रमिकों को अस्थाई रोज़गार देती है ताकि श्रमिकों को वर्ष भर वेतन न देना पड़े। श्रमिकों से अधिक घंटे तक काम लिया जाता है और कम मजदूरी पर अधिक उत्पादन तैयार करवाया जाता है जिससे अधिक लाभ अर्जित करती हैं।

प्रश्न 4 दूसरे देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ किस प्रकार उत्पादन पर नियंत्रण स्थापित करती हैं?



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर – बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ वे कंपनियाँ हैं जो एक से अधिक देशों में उत्पादन पर नियंत्रण अथवा स्वामित्व रखती हैं। ये कंपनियाँ उन देशों में अपने कारखाने स्थापित करती हैं जहाँ उन्हें सस्ता श्रम एवं अन्य साधन मिल सकते हैं। जहाँ सरकारी नीतियाँ भी उनके अनुकूल हों। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ इन देशों की स्थानीय कपंनियों के साथ संयुक्त रूप से उत्पादन करती हैं, लेकिन अधिकांशतः बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ स्थानीय कंपनियों को खरीदकर उत्पादन का प्रसार करती हैं।

जैस-एक अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कंपनी 'कारगिल फूड्स' ने अत्यंत छोटी भारतीय कंपनी 'परख फूड्स' को खरीद लिया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ एक अन्य तरीके से उत्पादन नियंत्रित करती हैं। विकसित देशों में बड़ी बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ छोटे उत्पादकों को उत्पादन का आदेश देती हैं। वस्त्र, जूते-चप्पल एवं खेल के सामान ऐसे उद्योग हैं, जिनका विश्वभर में बड़ी संख्या में छोटे उत्पादकों द्वारा उत्पादन किया जाता है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों को इनकी आपूर्ति कर दी जाती है, जो अपने ब्रांड नाम से इसे ग्राहकों को बेचती हैं।

प्रश्न 5 विकसित देश, विकासशील देशों से उनके व्यापार और निवेश का उदारीकरण क्यों चाहते हैं? क्या आप मानते हैं कि विकासशील देशों को भी बदले में ऐसी माँग करनी चाहिए?

उत्तर – विकसित देशों की कम्पनियाँ अक्सर दूसरे देशों में बिजनेस के लिये अनुकूल वातावरण बनाने के लिये अपनी सरकार पर दबाव डालती हैं। इसलिए विकसित देश, विकासशील देशों से उनके व्यापार और निवेश का उदारीकरण चाहते हैं। ऐसी स्थिति में विकासशील देशों को अपने लिये भी वैसी ही सुविधा की माँग करनी चाहिए।

प्रश्न 6 'वैश्वीकरण का प्रभाव एक समान नहीं है'। इस कथन की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।

उत्तर – वैश्वीकरण का प्रभाव एक समान नहीं है-

वैश्वीकरण से विभिन्न देशों के बीच तेवर एकीकरण की प्रक्रिया में तेजी आई है बहुराष्ट्रीय कंपनियां वैश्वीकरण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। परंतु वैश्वीकरण से सिर्फ धनी उपभोक्ता कुशल शिक्षित एवं धनी उत्पादक की लाभ उठा रहे हैं।बढ़ती प्रतिस्पर्धा से बहुत छोटी उत्पादक तथा श्रमिक भी प्रभावित हुए हैं शिक्षित कुशल और संपन्न लोगों ने वैश्वीकरण से मिलने वाले नए अवसरों का सर्वोत्तम उपभोग किया है। दूसरी तरफ अनेक लोगों को लाभ में हिस्सा नहीं मिला है। श्रम



SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कानूनों में अधिकाधिक लचीलापन होने के कारण श्रमिकों का शोषण हुआ है। इस के अतिरिक्त बहुराष्ट्रीय कंपनियां केवल उपभोक्ता वस्तुओं व सेवाओं में निवेश करती हैं जिनके खरीदार संपन्न वर्ग के लोग हैं। इसका गरीबों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। अतः उत्पादकों व कर्मचारियों पर वैश्वीकरण का सामान प्रभाव नहीं पड़ा है।

श्रम कानून में लचीलापन होने के कारण सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित कर सकी है। इससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने श्रमिकों का शोषण किया है।उन्हें अनियमित आधार पर नौकरी दी है जिससे वे भविष्य निधि व अन्य सुविधाओं से वंचित रह सके।श्रमिकों का कम वेतन दिया जा रहा है तथा उन्हें अतिरिक्त घंटों के कार्य के लिए कुछ भी अदायगी नहीं की जा रही है। छोटे उत्पादक भी वैश्वीकरण से बुरी तरह प्रभावित हुए है क्योंकि वे बहुराष्ट्रीय कंपनियों से प्रतियोगिता नहीं कर सकते जिससे वे बाजार से बाहर हो रहे हैं। अतः वैश्वीकरण का प्रभाव एक समान नहीं कहा जा सकता।

प्रश्न 7 व्यापार और निवेश नीतियों का उदारीकरण वैश्वीकरण प्रक्रिया में कैसे सहायता पहुँचाती है?

उत्तर – सरकार द्वारा व्यापार पर से अवरोधकों अथवा प्रतिबंधों को हटाने की प्रक्रिया को ही उदारीकरण कहा जाता है। सरकार व्यापार अवरोधक का प्रयोग विदेश व्यापार में वृद्धि या कटौती करने के लिए कर सकती है। सरकार द्वारा उदारीकरण करने से वस्तुओं का आयात-निर्यात सुगमता से किया जा सकेगा तथा विदेशी कंपनियाँ भी अपने कार्यालय और कारखाने खोल सकेंगी। व्यापार के उदारीकरण से व्यवसायियों को मुक्त रूप से निर्णय लेने की अनुमति मिल जाती है कि वे क्या आयात या निर्यात करना चाहते हैं। विश्व के सभी देशों को अपनी नीतियाँ उदार बनानी होंगी तभी वैश्वीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

प्रश्न 8 विदेश व्यापार विभिन्न देशों के बाजारों के एकीकरण में किस प्रकार मदद करता है? यहाँ दिए गए उदाहरण से भिन्न उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

उत्तर – विदेश व्यापार से विश्व के विभिन्न बाजार आपस में जुड़ जाते हैं जिससे उनका एकीकरण होता है। इसे समझने के लिये मोबाइल फोन का उदाहरण लेते हैं। मोबाइल फोन बनाने वाली मुख्य कम्पनियाँ अमेरिका और यूरोप में हैं। इन देशों में उत्पाद का डिजाइन तैयार होता है। मोबाइल के अलग अलग पार्ट पूर्वी एशियाई देशों (मलेशिया, चीन और ताइवान) में बनते हैं और उन्हें चीन



SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

या भारत में एसेंबल किया जाता है। फिर अंतिम उत्पाद को पूरी दुनिया में बेचा जाता है। यह उदाहरण विश्व के कई बाजारों के एकीकरण को दर्शाता है।

प्रश्न 9 वैश्वीकरण भविष्य में जारी रहेगा। क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि आज से बीस वर्ष बाद विश्व कैसा होगा? अपने उत्तर का कारण दीजिए।

उत्तर – वैश्वीकरण के भविष्य में जारी रहने के कारण विश्व के विभिन्न देशों से वस्तुओं, सेवाओं, तकनीक, पूंजी आदि का आदान-प्रदान बंद हो जाएगा। अतः आज से 20 वर्ष बाद विश्व एक ही बाजार बन जाएगा। कोई भी देश संसार के किसी भी देश में वस्तुएं खरीद सकेगा तथा अपनी वस्तुएं बेच सकेगा। 20 वर्ष बाद भी और भी अधिक आपस में जुड़ जाएगा। व्यापार में जारी सभी प्रतिबंध लगभग समाप्त हो जाएंगे।

भारत विश्व में एक महाशक्ति का रूप धारण कर लेगा जिससे यहां विकास की दर बढ़ेगी व लोगों का जीवन स्तर सुधरेगा। वैश्वीकरण से अभी विकसित देशों को अधिक फ़ायदा हुआ है क्योंकि उन्होंने व्यापार की शर्तें अपने अनुकूल बनाई है। वह कृषि में अत्याधिक आर्थिक सहायताएं प्रदान कर रहे हैं जबकि भारत जैसे देशों को आर्थिक सहायता समाप्त करने के लिए बाध्य कर रहे हैं।

विश्व व्यापार के नियम भी विकसित देशों के अनुरूप बनाए गए हैं। इन नियमों के अनुसार विकासशील देशों को बाध्य किया जा रहा है कि वे अपनी अर्थव्यवस्थाओं को विकसित देशों के लिए खोलें। यदि इस प्रकार की शर्तें रहीं तो 20 वर्ष बाद अल्प विकसित और विकासशील देशों की स्थिति दयनीय हो सकती है। अतः न्याय संगत वैश्वीकरण बढ़ाना चाहिए जिससे कि विभिन्न देश एक दूसरे के और समीप आएंगे।

प्रश्न 10 मान लीजिए कि आप दो लोगों को तर्क करते हुए पाते हैं-एक कह रहा है कि वैश्वीकरण ने हमारे देश के विकास को क्षति पहुँचाई है, दूसरा कह रहा है कि वैश्वीकरण ने भारत के विकास में सहायता की है। इन लोगों को आप कैसे जवाब देंगें?

उत्तर – वैश्वीकरण का भारतीय अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा है। यह प्रभाव सकारात्मक भी रहा तथा नकारात्मक भी। इसलिए कुछ लोग मानते हैं कि वैश्वीकरण ने भारत के विकास में मदद पहुँचाई है तथा कुछ लोग मानते हैं कि वैश्वीकरण ने भारत के विकास को क्षति पहुँचाई। मेरा विचार



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

है कि वैश्वीकरण से भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास हुआ है। लोगों को नई व उन्नत तकनीक की वस्तुएँ तथा बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं। लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है। किंतु ये विकास असमान रहा अर्थात् इसने बड़े-बड़े उद्योगपतियों, शिक्षित व धनी उत्पादकों व धनी उपभोक्ताओं को तो लाभ पहुँचाया किंतु छोटे उद्योगपतियों, सुशीला जैसे श्रमिकों तथा विकासशील देशों को नुकसान पहुँचाया। वैश्वीकरण के कारण बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत में कई लघु व कुटीर उद्योगों को लगभग नष्ट कर दिया है। श्रम कानूनों में, वैश्वीकरण के कारण बहुत लचीलापन आ गया जिससे लोगों का रोजगार अनिश्चित हो गया है।

अब जबकि वैश्वीकरण अनिवार्य विकल्प है तो सरकार द्वारा वैश्वीकरण को अधिक न्यायसंगत और सर्वव्यापी बनाने की आवश्यकता है ताकि इसका लाभ कुछ लोगों तक ही सीमित न रहे। सरकार को छोटे उद्योगपतियों को सस्ते दामों पर ऋण देकर, बेहतर बिजली की सुविधाएँ देकर विदेशी प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना चाहिए। विकासशील देशों को विकसित देशों पर अपने व्यापार और निवेश का उदारीकरण करने का दबाव डालना चाहिए।

प्रश्न 11 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

दो दशक पहले की तुलना में भारतीय खरीददारों के पास वस्तुओं के अधिक विकल्प हैं। यह ________ की प्रक्रिया से नजदीक से जुड़ा हुआ है। अनेक दूसरे देशों में उत्पादित वस्तुओं को भारत के बाजारों में बेचा जा रहा है। इसका अर्थ है कि अन्य देशों के साथ ________ बढ़ रहा है। इससे भी आगे भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा उत्पादित ब्रांडों की बढ़ती संख्या हम बाजारों में देखते हैं। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं क्योंकि ________। जबकि बाजार में उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प इसलिए बढ़ते ________ और ________ के प्रभाव का अर्थ है उत्पादकों के बीच अधिकतम ________।

उत्तर –

दो दशक पहले की तुलना में भारतीय खरीददारों के पास वस्तुओं के अधिक विकल्प हैं। यह वैश्वीकरण की प्रक्रिया से नजदीक से जुड़ा हुआ है। अनेक दूसरे देशों में उत्पादित वस्तुओं को भारत के बाजारों में बेचा जा रहा है। इसका अर्थ है कि अन्य देशों के साथ व्यापार बढ़ रहा है। इससे भी आगे भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा उत्पादित ब्रांडों की बढ़ती संख्या हम बाजारों में देखते हैं।



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ भारत में निवेश कर रही हैं क्योंकि यह उनके लिये फायदेमंद है। जबकि बाजार में उपभोक्ताओं के लिए अधिक विकल्प इसलिए बढ़ते माँग और उम्मीदों के प्रभाव का अर्थ है उत्पादकों के बीच अधिकतम प्रतिस्पर्धा।

प्रश्न 12 निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए-

| क्रम. | | क्रम. | |
|---|---|---|---|
| 1. | बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ छोटे उत्पादकों से सस्ते दरों पर खरीदती हैं। | (क) | मोटर गाड़ियों |
| 2. | आयात पर कर और कोटा का उपयोग, व्यापार नियमन | (ख) | कपड़ा, जूते-चप्पल, खेल के सामान के लिए किया जाता है। |
| 3. | विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियाँ | (ग) | कॉल सेंटर |
| 4. | आई.टी. ने सेवाओं के उत्पादन के प्रसार में सहायता की है। | (घ) | टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी |
| 5. | अनेक बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ ने उत्पादन करने के लिए निवेश किया है। | (ड़) | व्यापार अवरोधक |

उत्तर –

| क्रम. | | क्रम. | |
|---|---|---|---|
| 1. | बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ छोटे उत्पादकों से सस्ते दरों पर खरीदती हैं। | (ख) | कपड़ा, जूते-चप्पल, खेल के सामान के लिए किया जाता है। |
| 2. | आयात पर कर और कोटा का उपयोग, व्यापार नियमन। | (ड़) | व्यापार अवरोधक |
| 3. | विदेशों में निवेश करने वाली भारतीय कंपनियाँ। | (घ) | टाटा मोटर्स, इंफोसिस, रैनबैक्सी |
| 4. | आई.टी. ने सेवाओं के उत्पादन के प्रसार में सहायता की है। | (ग) | कॉल सेंटर |

SHIVOM CLASSES 8696608541



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5. | अनेक बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ ने उत्पादन करने के लिए निवेश किया है। | (क) | मोटर गाड़ियों |

## प्रश्न (पृष्ठ संख्या 72)

प्रश्न 13 सही विकल्प का चयन कीजिए-

1. वैश्वीकरण के विगत दो दशकों में द्रुत आवागमन देखा गया है

a) देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और लोगों का।

b) देशों के बीच वस्तुओं, सेवाओं और निवेशों का।

c) देशों के बीच वस्तुओं, निवेशों और लोगों का।

उत्तर – c) देशों के बीच वस्तुओं, निवेशों और लोगों का।

2. विश्व के देशों में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निवेश का सबसे अधिक सामान्य मार्ग है-

a) नये कारखानों की स्थापना।

b) स्थानीय कंपनियों को खरीद लेना।

c) स्थानीय कंपनियों से साझेदारी करना।

उत्तर – c) स्थानीय कंपनियों से साझेदारी करना।

3. वैश्वीकरण ने जीवन स्तर के सुधार में सहायता पहुँचाई है।

a) सभी लोगों के।

b) विकसित देशों के लोगों के।

c) विकासशील देशों के श्रमिकों के।

d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

उत्तर – d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

SHIVOM CLASSES 8696608541



SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)